

ਮਿੰਡਿਆਂ ਸਾਨ੍ਗ- ਕਰਜ਼ ਕੀ ਜਾਂਗੀਏਂ ਤੋਡ़, ਵਿਤੀਧ ਸ਼ਵਤਨਤਾ ਸੁਨਿਖਿਚਤ ਕਰਨਾ, ਮਹਿਲਾਓਂ ਕੋ ਸਥਾਕਤ ਬਨਾਨਾ ਉਦੇਸ਼



मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन
आज से पांच महीने पहले शुरू
ई झारखण्ड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान
जना (जेएमएसवाई) महिला
शक्तिकरण, ग्रामीण आर्थिक
पुनरुद्धार एवं राज्य के सर्वांगीण
विकास यात्रा में मिल का पत्थर
साबित हो रही है। आज का यह दिन
इसलिए अभूतपूर्व है क्योंकि आज
से राज्य की सभी बहनों (18-50)

वर्ष) के खातों में मेरे बादे के अनुसार 2500 रुपये की समानांग राशि पहुँचनी शुरू हो जाएगी। यह उनकी आर्थिक स्वतंत्रता का प्रथम कदम अवश्य है। आज मैं आपसे मईयां समान योजना सृजन के पीछे के उद्देश्य को समझा करना चाहता हूँ कि आखिरि ब्यो झारखंड के सम्प्रभु विकास के लिए मईयां समान जैसी योजना अत्यधिक महतवपूर्ण है। परन्तु इस क्रांतिकारी योजना के महत्व को समझने के लिए झारखंड के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की पृष्ठभूमि को समझा जाना नितांत आवश्यक है। दशकों से, हमारे राज्य ने ग्रामीण परिवारों पर शोषक साधारणों के विनाशकारी प्रभाव को देखा है, जिसमें महिलाएं कर्ज से उत्पन्न गरीबी का असहनीय बोझ उठाती रही है। मैंने खुद महसूस किया है कि हमारे राज्य की करीब - करीब हर महिला अपने बच्चों की पढ़ाई या दावाई के लिए महाजनों से कर्ज लेती थी और बाद में ब्याज के दलदल में फंस कर मजदूरी या हड्डिया दारू बेचने में ही अपने जीवन का स्वर्णिम समय बिता दिया। मेरे पिता आदरणीय दिशोम गुरु शिक्षु सोरेन जी के नेतृत्व में 1970 के दशक में महाजनों के विरोध में चलाए गए अंदोलन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे कर्ज ने पीढ़ियों को गरीबी के चक्र में फंसा दिया। कर्ज के कारण बंधुआ मजदूरी करनी पड़ी और पैतृक भूमि तक छिनी गई। यह मेरे लिए गौरव की बात है कि मईयां समान योजना शोषक साहूकारी प्रथाओं के खिलाफ मेरे पिता आदरणीय दिशोम गुरु शिक्षु सोरेन जी के ऐतिहासिक संघर्ष की विरासत को जारी रखने में एक मईयां साहसिक कदम है जैसा की मैंने ऊपर बताया - आज इस सार्वभौमिक योजना के पांचवें महीने

में, 18-50 वर्ष की आयु की 56 लाख से अधिक महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक प्रदान की जाएगी। यानि वर्ष में 30,000 रुपये, बिना किसी देरी और बिना किसी को खुशामद किए हुए। मईयां सम्मान के माध्यम से हम महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को लक्षित कर उनके वित्तीय स्वतंत्रता के इस संघर्ष में एक नया अर्थव्यवस्था लिख रहे हैं। तस्वीर बदल रही है मेरी बहनों, दीदियों के चेहरे पर मईयां सम्मान की राशि से खुशी की गारंटी बन रही है। गांवों की अर्थव्यवस्था पुनः चल पड़ी है। सार्वभौमिकता ना सिर्फ इस योजना की प्रकृति है बल्कि इसकी आधार शक्ति भी है। यही वजह है कि किसी महिला की आर्थिक स्थिति को इस योजना के योग्यता के मानक में शामिल किए बिना, बिना जटिल कागजी प्रक्रिया के - 18 से 50 आयु वर्ग की सभी महिलाओं को मईयां योजना का हकदार बनाकर आपकी अबुआ सरकार ने उन त्रुटियों को समाप्त कर दिया है जो पूर्व में कल्याण कार्यक्रमों के लक्ष्य को हासिल करने में बाधक बनती थी। यह सार्वभौमिक योजना महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित करती है। मेरा अटूट विश्वास है कि एक परिवार की 18-50 वर्ष की हर बहन को 2,500 रुपये मासिक और 30,000 रुपये सालाना उपलब्ध कराने से परिवार की आय में परिवर्तनकारी बढ़ि होगी, विशेष रूप से झारखंड जैसे पिछड़े राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जहां महिलाओं की वित्तीय स्वायत्तता पारंपरिक रूप से बहुत सीमित रही है। वैश्विक आर्थिक अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं के आर्थिक सुदृढ़ीकरण से परिवार के स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में बेहतर परिणाम सामने आते हैं। महिलाएं आमतौर पर पुरुषों की तुलना में परिवार कल्याण में अपनी आय का अधिक हिस्सा निवेश करती हैं। महिलाओं का यह गुण मईयां सम्मान को एसाथाण कल्याण योजना की बजाए झारखंड की भावी पीढ़ियों के लिए एक रणनीतिक निवेश साबित होगा। निश्चित रूप से यह योजना महिलाओं का आमसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर कदम है।

इस योजना का वित्तीय समावेशन का पहलू विशेष ध्यान देने योग्य है। महिलाओं के बैंचों में सीधे हस्तांतरण से ही पहली बार लाखों महिलाओं द्वारा औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में ला रखी है। इस समावेशन के कई लाभ हैं। बैंकिंग क्लिंट हस्ट्री बनने से उचित दरों पर ऋण की उपलब्धता पाएगी। इसका प्रभाव व्यक्तिगत लाभ से परे है; यह ग्रामीण झारखंड के पूरे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र व मजबूत करेगा, जबकि शेष साहूकारों की पकड़ को व्यवस्थित रूप से कमज़ोर करता है।

मेरा मानना है कि महामारी बाद मईयां सम्मान योजना लागू होने का यह समय ज्यादा महत्वपूर्ण है। कोविड-19 का आर्थिक प्रभाव विशेष रूप से लिंग आधारित रहा है। महिलाओं को नौकरी छूटने और आय के अवसरों में कमी व अनावश्यक बोझ उठाना पड़ा। आर्थिक सुरक्षा के साथ साथ योजना उपेक्षिता खर्च में बढ़ि माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्थाएँ को प्रोत्साहित करती हैं। जो महिलाओं के पास क्रय शक्ति होती है, तो स्थानीय बाजार फलते-फूलते हैं, जिससे आर्थिक विकास का एक अच्छा चक्र बनता है। इसमें मजबूत नींव आपकी अबुआ की बहनों, दीदियों के चेहरे पर मईयां सम्मान की राशि से खुशी की गारंटी बन रही है। गांवों की अर्थव्यवस्था पुनः चल पड़ी है। सार्वभौमिकता ना सिर्फ इस योजना की प्रकृति है बल्कि इसकी आधार शक्ति भी है। यही वजह है कि किसी महिला की आर्थिक स्थिति को इस योजना के योग्यता के मानक में शामिल किए बिना, बिना जटिल कागजी प्रक्रिया के - 18 से 50 आयु वर्ग की सभी महिलाओं को मईयां योजना का हकदार बनाकर आपकी अबुआ सरकार ने उन त्रुटियों को समाप्त कर दिया है जो पूर्व में कल्याण कार्यक्रमों के लक्ष्य को हासिल करने में बाधक बनती थी। यह सार्वभौमिक योजना महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित करती है। मेरा अटूट विश्वास है कि एक परिवार की 18-50 वर्ष की हर बहन को 2,500 रुपये मासिक और 30,000 रुपये सालाना उपलब्ध कराने से परिवार की आय में परिवर्तनकारी बढ़ि होगी, विशेष रूप से झारखंड जैसे पिछड़े राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में जहां महिलाओं की वित्तीय स्वायत्तता पारंपरिक रूप से बहुत सीमित रही है। वैश्विक आर्थिक अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं के आर्थिक सुदृढ़ीकरण से परिवार के स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में बेहतर परिणाम

सरकार ने रख दी है। सरकार के इस तरह के सार्वभौमिक कार्यक्रम के राजकोषीय निहितार्थों पर सवाल उठाने वाले आलोचकों को इसे केवल व्यय की बजाय, एक निवेश के रूप में जानना समझना चाहिए। इस योजना पर खर्च की जा रही राशि हमें कई रूपों में वापस मिलेगी कई - जैसे आकस्मिक स्वास्थ्य समस्त पर कम खर्च, परिवार में बेहतर शिक्षा एवं बेहतर पोषण को बढ़ावा एवं इसके कारण कम सामाजिक कल्याण खर्च के रूप में। इसके अलावा, बढ़ी हुई खपत के माध्यम से उत्पन्न आर्थिक गतिविधि कर राजस्व को बढ़ावा देगी। यह एक बाइब्रेट स्थानीय अर्थव्यवस्था की नींव को और मजबूती देगी जिसका खाका मेरी सरकार ने खींच लिया है।

योजनाओं को लेकर हमारा यह दृष्टिकोण कल्याणकारी राज्य की सौच में एक मौलिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। किसी भी समाज के वास्तविक सशक्तिकरण के लिए यह अनिवार्य है की लोगों की ज़रूरत को समझा जाए, और यह तय करने के पृथक्तात्मक दृष्टिकोण के बजाय, हम महिलाओं पर अपने परिवारों के लिए सर्वोत्तम निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करने पर भरोसा करते हैं। नियमित आय का प्रवाह महिलाओं को उनकी अपनी परिस्थितियों के अनुकूल योजना बनाने, बचत करने और निवेश करने में सक्षम बनाता है। जिससे वित्तीय साक्षरता और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलता है। इस योजना का मईयां सम्मान-नाम आर्थिक तौर पर मजबूत नींव प्रदान करते हुए, हमारी ज्ञारखड़ी विरासत में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। हमारे देश के अन्य हिस्सों में और साथ ही ज्ञारखड़ी में, महिलाएं

घेरू काम, बच्चों की देखभाल और कृषि गतिविधियों में अनगिनत घटे बिताती हैं - ऐसे योगदान को ऐतिहासिक रूप से स्वीकारा नहीं गया, ना ही इसके लाभ दिए गए। यह मासिक भुगतान इस तरह की केयर इकोनॉमी में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है और उनके काम के लिए कुछ हृद तक आर्थिक मान्यता प्रदान करता है।

मैं मईयां सम्मान का समर्थन करने वाले डिजिटल बुनियादी ढांचे का उल्लेखनीय भी करना चाहता हूँ। प्रत्यक्ष हस्तांतरण के लिए आज के सूचना तकनीक का लाभ उठाकर, हम पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करते हैं, साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में पहले हुए कमियों को दूर करने का प्रयास भी कर रहे हैं। डिजिटल माध्यमों की पहच महिलाओं के बीच वित्तीय और तकनीकी साक्षरता को बढ़ावा देती है, उन्हें तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करती है। वित्तीय समावेशन और डिजिटल सशक्तिकरण का संयोजन हमारी महिलाओं को वित्तीय अर्थव्यवस्था में भाग लेने के लिए तैयार करता है। ऐसे ही तो बनेगा सोना झारखड़।

इस योजना के पर्यावरणीय निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं - शोध से पता चलता है कि जब महिलाओं के पास अधिक अर्थिक तंत्र होती है, तो वे संसाधन प्रबंधन में अधिक टिकाऊ विकल्प चुनती हैं। झारखड़ के संदर्भ में, यहां महिलाएं पारंपरिक रूप से महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती हैं, वहां बेहतर बन संरक्षण, अधिक टिकाऊ कृषि पद्धतियां और बेहतर प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन हो सकता है। श्रम बाजार के परिणाम भी यहां उतने ही महत्वपूर्ण हैं। बुनियादी आय की गारंटी के साथ महिलाएं अपनी रोज़गार बातों में जमबूत सौदेबाजी की शक्ति प्राप्त करती हैं। वे शोषणकारी कायदों स्थितियों को अस्वीकार कर सकती हैं। साथ ही बेहतर काम के अवसरों की तलाश में समय लगा सकती है इससे असंगति क्षेत्र में काम करने की स्थिति और मजदूरी में धीरे-धीरों सुधार हो सकता है, जहां हमारी काम महिलाएं कार्यरत हैं। साथ ही मैं सबको आश्वस्त करना चाहूँगा कि इस अभूतपूर्व पहल को लागू करते समय, हम आगे आने वाली चुनौतियों के प्रति संचेत हैं। योजना का सुचारू रूप से जारी रखना, साथ ही पूरी पारदर्शिता बनाए रखना एवं राज्य के खजाने को बिना किसी पर भार दिए रखना और इस योजना की सार्थकता को लगातार मापने हमारी प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित करते हुए कि योजना अपने उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए विकसित हो, हम फीडबैक और परिणामों के आधार पर नियमित मूल्यांकन और समायोजन के लिए प्रतीबद्ध हैं। मईयां सम्मान सिर्फ़ एक सरकारी योजना नहीं है - यह झारखड़ के भविष्य के लिए हमारे मूल्यों और दृष्टिकोण का एक आईना है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर, हम सिर्फ़ शोषक साहूकारों से मुक्ति के आदेशन के अनुग्रह आदरणीय दिशोम गुरु शिवराम से रेण के सपने को ही पूरा नहीं कर सकते हैं; हम एक ज्यादा न्यायसंगत, सममृद्ध और न्यायपूर्ण समाज की नींव रख रहे हैं। यह पहल दूपोषण राज्यों के लिए एक मिसाल कायम करती है और संभावित रूप से सार्वभौमिक बुनियादी आय और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय विमर्श को आकार देती है। झारखड़ की महिलाएं सच्ची आर्थिक आजादी और सामाजिक न्याय की दिशा में इस साहसिक कदम से कम की हकदार नहीं हैं। जय हिंद, जय झारखड़।

भाजपा ने चलाया नवीनगर मंडल में सदस्यता अभियान



पाकुड़। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी नवीनगर मंडल के अंतर्गत झिक्हराहटी पश्चिमी पंचायत के कुनाई टोला में भारतीय जनता पार्टी का प्राथमिक सदस्यता अभियान मंडल उपाध्यक्ष भूटू कुनाई के नेतृत्व में चलाया गया। सदस्यता अभियान में मंडल प्रवासी पदाधिकारी हिसाबी राय मौजूद रहे। विशेष सदस्यता अभियान का कैंप लगाया गया साथ ही घर-घर टोली बनाकर भाजपा का सदस्य बनाया गया। उक्त अवसर पर मौजूद मंडल प्रवासी प्राधिकारी हिसाबी राय ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान 14 जनवरी तक चलेंगा उसके उपरांत सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे सदस्यता अभियान में जिस सदस्य की संख्या पूर्ण की होगी उसे ही सक्रिय सदस्य बनाया जाएगा। इस दौरान टोली में मनोज कुनाई, स्वाथी कुनाई, आमिरुल शेरख, जयराम कुनाई, नौकौड़ी राजवंशी, चन्दना कुनाई, माला कुनाई, शंभु कुनाई, गौरांगो राजवंशी आदि मौजूद थे।

पंचायत सहजकर्ता दल का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ



ऊपर समझ बनाना सभा क
भागीदारी से सहयोगी पूर्ण वंचित
परिवारों जैसे एकल महिला, वृद्ध

विषय पर विस्तृत जानकारी दी। ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल में पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, जल सहिया, एक वीपीआरपी फैसिलिटेटर, विषय से संबंधित पंचायत स्थायी समिति के सदस्य वार्ड सदस्य अध्यक्ष एवं सदस्य के फटलाइन कार्यकर्ता के रूप में शामिल किया गया। ग्राम पंचायत वे समुचित विकास के लिए वित्ती वर्ष 2025-2026 में सभी विभागों की योजनाओं को चयन किस प्रकार करना है।

तथा योनाना चयन से सम्बंधित
सभी आधारभूत बिदुओं पर विस्तार
से चर्चा कर जानकारी दी। प्रशिक्षक
ने विभाग द्वारा जारी सभी दिश
निर्देशों की जानकारी विस्तार पूर्वक
दिया गया। मौके पर कमरुल
जमाल, राजेन्द्र प्रसाद सहित अन
मौजूद थे।

थाना प्रभारियों के साथ एसडीपीओ ने की क्राइम मीटिंग



संताल एक्सप्रेस संवाददाता महेशपुर (पाकुड़) एसडीपीओ विजय कुमार ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में ऋझम मीटिंग की बैठक आयोजित की। उमड़ापाड़ा पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनुप रोशन भेंगरा, महेशपुर थाना प्रभारी विकर्ण कुमार, पाकुड़िया थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह, रदीपुर थाना प्रभारी विवेक कुमार मौजूद थे। बैठक में एसडीपीओ ने बारी-बारी सवालों के लिये लिपित कांडों, यूडी से संबंधित लिपित कांडों, पूर्व से तथा विगत छह तक के सभी प्रकार के लिपित व प्रतिवेदित कांडों की समीक्षा करने वें शामिल उसके त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिये साथ ही अंतर्राज्यीय अपराधियों पर विशेष निगरानी रखने का सख्त निर्देश दिया। गोष्ठी में फिरारियों को सूची तैयार कर सत्यापन करने, वारंटियों की गिरफ्तारी करने, नियमित रूप से दिवा, संध्या और रात्रि गश्ती करने का निर्देश दियो। उहोंने बताया कि जेल से मुक्त हुए अपराधियों जिनमें आर्म्स एक्ट, लूट, डॉकैती वाले अपराधियों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया।

युवक की चाकू गोतकर हत्या

संताल एक्सप्रेस संचादिता पाकुड़। सोमवार को अहले सुबह नगर थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर के समीप नारायणपुर जाने वाले रास्ते के एक खेत से एक युवक की शव बरामद कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। शव की पहचान पश्चिम बंगाल के धूलिया के हिचलतल्ल निवासी मोहम्मद आजाद हुसैन (33) के रूप में कोई गई है जो सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शव के पेट पर चाकू से वार करने के निशान मिले हैं व शव के गले से लिपटा एक रस्सी मिली है। वही शव के कुछ दूरी पर रास्ते में एक लवारिस बाइक भी मिली है। जानकारी के अनुसार गय चराने निकले कुछ बच्चे ने एक युवक को खेत में पड़ा देखा, बच्चे जब युवक के पास गए तो उनके होश उड़ गए। उसका पेट के कुछ अंग बाहर निकले हुए थे। बच्चों ने भागते हुए अपने घर और आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी थाने को दी गई। सूचना पाकर एसडीपीआर दियानंद आजाद दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और मृतक को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। शव के पहचान होने के बाद घर वालों की इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टि में मामला हत्या का जान पड़ता है। उहोंने बताया कि शव के समीप एक चाकू और गेता टाइप का चाकू मिला है। शव से लगभग 100 मीटर दूरी पर लवारिस बाइक भी मिला है। जिसमें पश्चिम बंगाल का नंबर ऑफिकल है। पुलिस को इससे काफी सहयोग प्राप्त होगी। बाइक का मुंह रेलवे कॉर्टेनी की दिशा की ओर था। पुलिस ने रास्ते से कुछ दूरी पर सीसीटीवी भी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी के फूटेज को तकनीकी आधार पर समझने में समय लगेगा। मोबाइल फोन के जरिए भी कुछ सहयोग प्राप्त होगा। मृतक को इसी जगह मर गया है अथवा कहीं से लाकर यहां फेंक दिया गया है। यह भी पता लगाने में पुलिस जुटी है। पोस्टमार्टम के आधार पर जांच की दिशा तेज की जाएगी। पुलिस मामले के तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। श्री आजाद ने बताया कि जल्द से जल्द मामला की खुलासा होगी। पुलिस पूरी तरह से छनबीन में जुटी है। पोस्टमार्टम के बावजूद शव को परिवार को सौंप दिया जाएगा। परिवार वालों से भी जानकारी दम्पिल की जा रही है।

एनालाइजर अल्कोहल मीटर से वाहन चालकों की हड्ड जांच

हिरण्यपुर (पाकुड़) उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार जिला परिवहन कार्यालय पाकुड़ की रोड सेपटी टीम एवं पुलिस कर्मियों के द्वारा संयुक्त रूप से रविवार शाम वाहनों के चालकों को ब्रेथ एनालाइजर अल्कोहल मीटर से सघन जांच की गई। वाहनों में मुख्य रूप से यात्री बसों के अलावा अन्य छोटे यात्री वाहन एवं मालवाहक वाहन भी थे। जांच के क्रम में एक बाइक चालक नशा में ड्राइविंग करते पकड़े गए। सभी चलाकों को निर्देश दिया गया कि गाड़ियों के सभी कागजात गाड़ी में रखे शराब पीकर गाड़ी ना चलाए अन्यथा ऐसा पाए जाने पर सम्भव कार्रवाई की जाएगी। वहीं नो-पार्किंग में वाहन खड़ी करने पर जुर्माना लगाया गया। वहीं बिना हेल्मेट बाइक चालकों से ऑनलाइन जुर्माना लगाया गया। मैके पर थाना प्रभारी रंजन कुमार, सड़क सुरक्षा के कर्मी अमित कुमार राम, अजहद अंसारी एवं

**शीतलहरी के मद्देनजर चौक-चौराहों में
की वार्ड अलाव की लातझा**

A black and white photograph showing a group of approximately six to eight people standing around a small campfire at night. The scene is dimly lit by the fire's glow, casting long shadows. Some individuals are wearing hats and heavy clothing, suggesting cold weather. They appear to be adults of various ages. The background is dark, with some faint lights visible in the distance, possibly from nearby buildings or vehicles.



संताल एक्सप्रेस संवाददाता
अमड़ापाड़ा(पाकुड़) अखिल
कार जिले के डीसी मनोज कुमार के
निर्देश का बाद बिजली विभाग के
पदाधिकारियों की नींद खुलेरी
जिसके बाद सोमवार को प्रखंड के
मुख्य बाजार के बिजली खंभो पर
लगे खराब पड़े कई स्ट्रीट लाइट को
दुरुस्त किया गया। इस संबंध में
बिजली विभाग के कर्नाय अभियंता
बिंजु विष्णु पूर्ण ने बताया कि

विजली खंभों पर स्ट्रीट लाइट
लगाया गया है उनमें से अधिकतर
खराब हो चुके हैं। हालांकि डीसी
के निर्देश पर सोमवार को खराब
पड़े कई स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त
करने का काम विभाग के कर्मियों
द्वारा किया गया है। उद्दोने बताया
कि इस दौरान लगभग 50 स्ट्रीट
लाइट को ठीक किया गया है। मैंके
पर अरुण कुमार, श्याम
कुमार(राजा), विद्युतकर्मी राजन
हैं।

બૈદ્યક લેને અત્યારાસ્થિત તીવ્ર ડીલરોંને એટાઓ હો ગણ સાલીન્દ્રા

हिरण्यपुर (पाकुड़) प्रखण्ड कार्यालय स्थित सभागार में सोमवार को डीलरों की मौजूदगी में मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता एमओ संतोष कुमार ने की। बैठक में अनुपस्थित रहने वाले तीन पीडीएस डीलरों के खिलाफ कारण बताओ नोटिश जारी किया गया है। बैठक के दौरान एनएफएसए दिसंबर 2024, ग्रीनकार्ड, राशन , दाल व धोती-साड़ी वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। एमओ ने सभी डीलरों को निर्देश देते हुए ससमय राशन के साथ दाल, चीनी, धोती-साड़ी सहित ग्रीन कार्ड के राशन वितरण में तेजी लाएं। डुकानों में निरीक्षण पंजी के साथ साथ यूनिट व शिकायत पंजी रहना आवश्यक है। एमओ ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जो लाभुक 6 महीनों से ज्यादा समय से राशन का उठाव नहीं कर रहे हैं, वैसे राशनकांडधारी का राशन कार्ड निरस्त करने की अनुशंसा की जाएगी। एमओ ने कहा इकेवाईसी को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किया।





देवघर। आज 06 जनवरी 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री हरदामहांडी डेवगोड़ा (एचडी देवगोड़ा) का देवघर एयरपोर्ट पर आगमन हुआ। इस अवसर पर जिले के विशेष अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत में डीसी विशाल साहा, पुलिस अधीक्षक अजीत पीटर डुंगंगा इन अधिकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पुच्छ घंटे कर समानित किया।

बाबूलाल मराठी कल पहुंचे दुमका

दुमका। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं झारखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मराठी कल को दुमका पहुंचे। वे देवघर 2 बजे कर्कुता में दुमका सदर एवं गांडा मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ संयुक्त संगठनात्मक बैठक में भाग ले गए। इसके पश्चात शाम 6 बजे दुमका परियोजन में भाग ले गए। इसके बाद नार मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे।

नो-पार्किंग जोन में कार्टवाई, दर्जनों वाहन जल्द, मालिकों से वसूला गया जुर्माना



मधुपुर। रेलवे न्यायिक दंडनायकी जूलियन आनंद योगों के निर्देश पर मधुपुर रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष अधियान चलाया गया। अरपीएफ सब-इंसेक्टर शाम सुंदर कुमार के नेतृत्व में सोमवार को नो-पार्किंग जोन में खड़े दर्जन भर से अधिक दोपहिया वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। अवैध रूप से पार्क किए गए इन वाहनों को जबकि उनके मालिकों के 159 रेलवे एक्ट के तहत न्यायिक दंडनायकी के सम्बन्ध में किया गया। सभी से जुर्माना बरता गया, जिससे अधिकारी करने वालों में खलबली मच गई। अरपीएफ सब-इंसेक्टर शाम सुंदर ने बताया, स्टेशन के बाहर पार्किंग की समस्तिका व्यवस्था है, इसके बावजूद लोग स्टेशन के सामने गाड़ियां खड़ी कर रहे हैं। इससे न केवल यात्रियों के परेशानी होती है, बल्कि ग्रामीण जामी ही हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा अधियान लगाना जारी रहेगा, ताकि स्टेशन परिसर को व्यवस्थित रखा जा सके। इस की पार करने पर अरपीएफ एसएसई नंदेंद कुमार और अन्य आपीएफ जवानों ने भी अधियान में संक्रिया भागीदारी निर्माण। यह कार्रवाई रेलवे नियमों के कड़ी से अनुपालन की मिसाल देख करती है।

मकर संक्रान्ति को लेकर नुखिया के नेतृत्व में चलाया गया सफाई अभियान



जामा। प्रबुंद के पलासी पंचायत अन्वरत गर्म जल कुंड तांत्रिक परिसर में सोमवार का पलासी पंचायत के मुख्याया परिषद सुमुप की ओर से साफ सफाई अभियान चलाया गया। मुख्याया परिषद ने बताया कि मकर संक्रान्ति के अवसर पर यहां वर्षों से तीन दिवसीय मेला का आयोजन किया जाता है। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। सभी श्रद्धालु गर्म जल कुंड में स्नान कर पिकनिक का आनंद लेते हैं। इसके मेलनजर सभी के सहभाग से मेला परिसर की साफ सफाई होती है। मौके पर सुधार नाम, धूदेपर मुशुप, मंजू मुशुप, सर्जू गोबर, मिस्टर माझी, चन्दन माझी, सोंताराम मुशुप, तूफान राय, सर्जू राय आदि मौजूद थे।

इन्टर स्टेट माइग्रेंट वर्कर यूनियन अध्यक्ष चुने गए जाकिर अंसारी

दुमका। लखीकुंडे वाटर पार्क स्थित इन्टर स्टेट माइग्रेंट वर्कर यूनियन कार्यालय में यूनियन के सदस्यों ने भाग लिया तथा और नए परिधिकारियों का चयन किया। चुनाव के परिणामों के अनुसुन्दर दुमका माइग्रेंट स्टेट यूनियन के अध्यक्ष मोहम्मद जाकिर अंसारी को यूनियन का नव निवारियां अध्यक्ष चयन किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। लोगों को संबोधित करते हुए नव निवारियां अध्यक्ष जाकिर अंसारी ने कहा कि दुमका जीसे बड़े शहर में किसी भी प्रकार के कोई बड़ा कार्रणाना नहीं होने के कारण मंदूर लाग वितर कई सालों से मजरूरी के लिए जिला से पलायन करते हैं। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार के कोई बड़ा कार्रणाना नहीं होने के कारण मंदूर लाग वितर कई सालों से मजरूरी के लिए जिला से पलायन करते हैं। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार के कोई बड़ा कार्रणाना नहीं होने के कारण मंदूर लाग वितर कई सालों से मजरूरी के लिए जिला से पलायन करते हैं। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार के कोई बड़ा कार्रणाना नहीं होने के कारण मंदूर लाग वितर कई सालों से मजरूरी के लिए जिला से पलायन करते हैं। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार के कोई बड़ा कार्रणाना नहीं होने के कारण मंदूर लाग वितर कई सालों से मजरूरी के लिए जिला से पलायन करते हैं। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि विचलियों के द्वारा भाले भाले श्रमिकों को बहला फूलावाल काम के बहाने उन्हें बाहर ले जाते हैं तथा उनके के साथ ममतानी करते हैं एवं सही ढांग से श्रमिकों को महेनत मजदूरी भी नहीं देते हैं। बिनियोजिता श्रमिकों को डाटा झारखण्ड सरकार तक श्रमिकों डाटा सार्वजनिक नहीं करते हैं जिसके कारण प्रायोगिकों को सरकारी लाभ नहीं मिल पाता है। कहा कि व

